

हिंदी विभाग
विद्यासागर विश्वविद्यालय
(एम.ए. का पाठ्यक्रम)

Vidyasagar University

Midnapore, Dist. Paschim Medinipur
Pin - 721102



51.7.12
Course Co-ordinator
Deptt. of Hindi
Vidyasagar University
Midnapore - 721102

Syllabus of M.A. (Hindi) in the semester
System w.e.f. 2013
Semester I & II

सेमेस्टर - 1

हिन्दी साहित्य का इतिहास आदिकाल - मध्यकाल

पत्र : 101

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यन्तरीण मूल्यांकन - 10

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल

- (क) साहित्येतिहास के सिद्धांत, साहित्येतिहास लेखन की परम्परा, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
- (ख) आदिकाल - परिस्थितियाँ और पृष्ठभूमि, नामकरण, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक साहित्य, गद्य साहित्य।
- (ग) पूर्व मध्यकाल - (भक्ति काल) : भक्ति आंदोलन के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप। निर्गुण और सगुण काव्य धाराओं की विशेषताएँ, सूफी काव्य का विकास तथा सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति और लोक जीवन के तत्त्व।
- (घ) उत्तर-मध्यकाल (रीतिकाल) : परिस्थितियाँ, काल, सीमा और नामकरण। दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परम्परा। रीतिकालीन साहित्य की विविध धाराएँ (रीति बद्ध, रीति सिद्ध और रीति मुक्त), रीति काव्य में लोक जीवन। रीतिकालीन गद्य साहित्य। रीतिकालीन प्रमुख कवियों और कृतियों का सामान्य परिचय।

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : $2 \times 12 = 24$

2. लघूत्तरी प्रश्न : $4 \times 4 = 16$

40

3. आभ्यन्तरीण मूल्यांकन 10

कुल - 50

सेमेस्टर - 1

मध्यकालीन काव्य

पत्र : 102

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

मध्यकालीन काव्य

(क) विद्यापति : विद्यापति पदावली, सं० कुमुद विद्यालंकार, जयवंशी झा। प्रकाशक : रीगल बुक डिपो, दिल्ली।

पद वन्दना	- नन्दक नन्दन (पद संख्या -1)
नख-शिख	- पीन पयोधर दूबरी गाता (पद संख्या -1)
प्रेम प्रसंग	- सजनी, भल कए पेखल (पद संख्या -2)
	की लागि कौतुक (पद संख्या -11)
नोक-झोंक	- आई बै निपट साँझ (पद संख्या -1)
बसंत	- नब बृन्दाबन नब नब (पद संख्या -3)
	बाजत द्विगि द्विगि (पद संख्या -11)
विरह	- माधब, तोहे जनु जाह विदेस (पद संख्या -2)
	माधब हमर रटल (पद संख्या -11)
	सजनी, के कह आओब (पद संख्या -18)
प्रार्थना और नचारी	- विदिता देवी (पद संख्या -1)
	बड़ सुख सार (पद संख्या -22)
	माधब, कत तोर करब (पद संख्या -24)
	जतने जतेक धन (पद संख्या -27)

(ख) कबीर : कबीर ग्रंथावली - (सं) श्याम सुंदर दास (पद - 1, 6, 8, 11, 13, 16, 27, 39, 40, 43)

(ग) सूरदास : भ्रमरगीत-सार (सं) रामचंद्र शुक्ल (पद - 21, 23, 25, 34, 42, 62, 74, 76, 85)

(घ) तुलसीदास : रामचरित मानस (गीता प्रेस, गोरखपुर) रामराज्य वर्णन (दोहा - 20 से 30, 36 से 41), कलि वर्णन (दोहा-97 से 103)।

(ङ) मीरा : मीराबाई की पदावली (सं) परशुराम चतुर्वेदी - हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग (पद -1, 2, 14, 18, 19)

(च) घनानंद : घनानंद कवित्त - (सं) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (पद - 8, 14, 15, 16, 18, 19, 23, 29, 63, 69)

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : $2 \times 12 = 24$

2. व्याख्या : $2 \times 8 = 16$

40

3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10

कुल - 50

सेमेस्टर - 1

हिन्दी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल

पत्र : 103

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यन्तरीण मूल्यांकन - 10

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

- (क) नवजागरण की अवधारणा, हिन्दी नवजागरण, बंगाल का नवजागरण, नवजागरण की प्रवृत्तियाँ, सन् 1857 का स्वाधीनता - संग्राम और नवजागरण।
- (ख) भारतेन्दु और महावीर प्रसाद द्विवेदी युगीन गद्य और पद्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी कृतियाँ।
- (ग) स्वच्छंदतावाद और छायावाद के उदय और विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि। छायावाद के प्रमुख कवि और उनके काव्य।
- (घ) प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता : वैचारिक पृष्ठभूमि, मुख्य प्रवृत्तियाँ। प्रतिनिधि कवि और उनके काव्य।
- (ङ) हिन्दी गद्य के विविध रूप : संक्षिप्त इतिहास-उपन्यास, कहानी, निबंध, आलोचना, नाटक, यात्रा - वृत्तान्त, जीवनी, रिपोर्टाज।

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : $2 \times 12 = 24$

2. लघूत्तरी प्रश्न : $4 \times 4 = 16$

40

3. आभ्यन्तरीण मूल्यांकन 10

कुल - 50

सेमेस्टर - 1

आधुनिक काव्य - 1

पत्र : 104

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

आधुनिक काव्य

- (क) मैथिली शरण गुप्त - साकेत - नवम सर्ग
- (ख) जयशंकर प्रसाद - कामायनी (चिंता, श्रद्धा, आनंद)
- (ग) सुमित्रानन्दन पंत - नौका विहार, संध्या तारा, वाणी, ताज
- (घ) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' - सरोज स्मृति, बादल-राग - 1, 2
- (ङ) महादेवी वर्मा - यामा - (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
गीत - पंथ होने दो अपरिचित, सब आँखों के आँसू उजले, विरह का जलजात जीवन।
- (च) रामधारी सिंह 'दिनकर' - उर्वशी (केवल तीसरा सर्ग)

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : $2 \times 12 = 24$

2. व्याख्या : $2 \times 8 = 16$

.....
40

3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10

.....
कुल - 50

सेमेस्टर - 2

आधुनिक काव्य - 2

पत्र : 201

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

आधुनिक काव्य - 2

- (क) अज्ञेय - आज के लोकप्रिय कवि अज्ञेय, सं० विद्यानिवास मिश्र
कविता : असाध्य वीणा, कलगी बाजरे की, सोन मछली
- (ख) मुक्तिबोध - प्रतिनिधि कविताएँ, सं० अशोक वाजपेयी
कविता : ब्रह्मराक्षस
- (ग) शमशेर बहादुर सिंह - प्रतिनिधि कविताएँ, सं० नामवर सिंह
कविता : काल तुझसे होड़ है मेरी, चुका भी हूँ मैं नहीं।
- (घ) नागार्जुन - प्रतिनिधि कविताएँ, सं० नामवर सिंह
कविता : धिन तो नहीं आती है, प्रेत का बयान, बहुत दिनों के बाद,
बादल को धिरते देखा है, कालिदास सच-सच बतलाना
- (ङ) रघुवीर सहाय - आत्महत्या के विरुद्ध
कविता : स्वाधीन व्यक्ति, मेरा प्रतिनिधि, अधिनायक, खड़ी स्त्री, नई हँसी,
एक अधेड़ भारतीय आत्मा।
- (च) धूमिल - संसद से सड़क तक
कविता : पटकथा

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 2×12=24

2. व्याख्या : 2×8= 16

..... 40

3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10

.....
कुल - 50

सेमेस्टर - 2

भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का विकास

पत्र : 202

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का विकास

- (क) भाषा : परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा के विविध रूप।
- (ख) भाषा विज्ञान के अध्ययन की विविध पद्धतियाँ।
- (ग) स्वन विज्ञान और स्वनिम विज्ञान।
- (घ) रूप विज्ञान, अर्थ विज्ञान, वाक्य विज्ञान।
- (ङ) हिंदी का ऐतिहासिक विकास : अपभ्रंश, अवहट्ट, प्रारंभिक हिंदी का सामान्य परिचय। मध्यकालीन हिंदी भाषा की विशेषताएँ। मध्यकाल में अवधी और ब्रजभाषा का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय।
- (च) 19वीं सदी के अंतर्गत खड़ी बोली का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। स्वाधीनता-संघर्ष के दौरान हिंदी का राष्ट्रभाषा के रूप में विकास। स्वतंत्र भारत में हिंदी का राजभाषा के रूप में विकास।
- (छ) हिंदी भाषा का मानकीकरण।

अंक विभाजन :

- | | |
|------------------------|-----------|
| 1. आलोचनात्मक प्रश्न | : 2×12=24 |
| 2. टिप्पणी | : 4×4= 16 |
| | 40 |
| 3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन | 10 |
| | |
| | कुल - 50 |

सेमेस्टर - 2
साहित्य सिद्धांत
भारतीय एवं पाश्चात्य

पत्र : 203

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

साहित्य सिद्धांत : भारतीय एवं पाश्चात्य

(क) भारतीय काव्य-शास्त्र

(i) रस सिद्धान्त, (ii) ध्वनि सिद्धान्त, (iii) वक्रोक्ति सिद्धान्त, (iv) औचित्य सिद्धान्त, (v) अलंकार सिद्धान्त, (vi) रीति सिद्धान्त

(ख) पाश्चात्य काव्य-शास्त्र

(i) प्लेटो : अनुकृति सिद्धान्त, (ii) अरस्तू : अनुकरण और विरेचन, (iii) कॉलरिज - कल्पना सिद्धान्त, (iv) रिचर्ड्स - मूल्य, संप्रेषण (v) टी. एस. इलियट : परंपरा की अवधारणा (vi) लांजाइनस - औदात्य - विवेचन।

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : $2 \times 12 = 24$

2. टिप्पणी : $4 \times 4 = 16$

40

3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10

कुल - 50

सेमेस्टर - 2

हिन्दी आलोचना

पत्र : 204

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10


हिन्दी आलोचना

- (क) हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि, भारतेन्दु युगीन समीक्षा, द्विवेदी युगीन समीक्षा
(ख) शुक्ल युगीन आलोचना, शुक्लोत्तर युगीन समीक्षा
(ग) रामचंद्र शुक्ल और हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना-दृष्टि
(घ) नंददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध की आलोचना-दृष्टि
(ङ) उत्तर आधुनिकता : दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श, किसान विमर्श

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : $2 \times 12 = 24$
2. टिप्पणी : $4 \times 4 = 16$
.....
40
3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10
.....

कुल - 50

 31.7.13
Course Co-ordinator
Deptt. of Hindi
Vidyasagar University
Midnapore - 721102

विद्यासागर विश्वविद्यालय

एम.ए. (हिन्दी) का पाठ्यक्रम

Vidyasagar University

Midnapore, Dist. Paschim Medinipur

Pin - 721102



एम.ए. का पाठ्यक्रम

(वर्ष 2013 से प्रारम्भ)

Syllabus of M.A. (Hindi) in the semester System
Semester III & IV

सेमेस्टर - 3
हिन्दी उपन्यास

पत्र : 301

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यन्तरीण मूल्यांकन - 10

हिन्दी उपन्यास

- | | |
|------------------------|-------------------------|
| (क) गोदान | - प्रेमचन्द |
| (ख) बाणभट्ट की आत्मकथा | - हजारी प्रसाद द्विवेदी |
| (ग) मैला आँचल | - फणीश्वरनाथ 'रेणु' |
| (घ) धरती धन न अपना | - जगदीश चन्द्र |
| (ङ) रेहन पर रघू | - काशीनाथ सिंह |

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : $2 \times 12 = 24$

2. व्याख्या : $2 \times 8 = 16$

.....
40

3. आभ्यन्तरीण मूल्यांकन 10

.....
कुल - 50

सेमेस्टर - 3

हिन्दी कहानी

पत्र : 302

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यन्तरीण मूल्यांकन - 10

हिन्दी कहानी

(क) कफ़न	-	प्रेमचन्द
(ख) उसने कहा था	-	चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
(ग) भेड़िया	-	भुवनेश्वर
(घ) तीसरी कसम	-	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
(ङ) शरणदाता	-	अज्ञेय
(च) पिता	-	ज्ञान रंजन
(छ) जिन्दगी और जोंक	-	अमरकांत
(ज) चीफ़ की दावत	-	भीष्म साहनी
(झ) यही सच है	-	मन्नू भण्डारी
(ञ) पार्टीशन	-	स्वयं प्रकाश
(ट) सागर सीमान्त	-	संजीव
(ठ) सलाम	-	ओमप्रकाश वाल्मीकि

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न	: 2×12=24
2. व्याख्या	: 2×8= 16
.....	40
3. आभ्यन्तरीण मूल्यांकन	10
.....	
कुल -	50

सेमेस्टर - 3

हिन्दी नाटक

पत्र : 303

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यन्तरीण मूल्यांकन - 10

हिन्दी नाटक

- (क) अंधेर नगरी - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(ख) स्कन्दगुप्त - प्रसाद
(ग) आधे-अधूरे - मोहन राकेश
(घ) रीढ़ की हड्डी - जगदीश चन्द्र माथुर
(ङ) ताँबे के कीड़े - भुवनेश्वर
(च) औरत - सफदर हाशमी

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : $2 \times 12 = 24$
2. व्याख्या : $2 \times 8 = 16$
..... 40
3. आभ्यन्तरीण मूल्यांकन 10

कुल - 50

सेमेस्टर - 3
प्रोजेक्ट वर्क (अनुनियोजित कार्य)

पत्र : 304

लिखित अधिनिबंध - 40

कुल अंक : 50

मौखिक

एक वाह्य परीक्षक (external examiner)

की उपस्थिति में) - 10

प्रोजेक्ट वर्क (अनुनियोजित कार्य)
(Project Work)

लिखित अधिनिबन्ध का विषय हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं (आधुनिक कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास, निबंध, आलोचना आदि) पुस्तक विशेष की समीक्षा तथा रचनाकार विशेष (आधुनिक), प्रवृत्ति विशेष (आधुनिक), युग विशेष (आधुनिक), भाषा एवं साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, भाषा विज्ञान आदि पर आधारित होगा।

लिखित अधिनिबंध की शब्द सीमा लगभग 5000 (पाँच हजार) होगी।

सेमेस्टर - 4

हिन्दी गद्य की विविध विधाएँ

पत्र : 401

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यन्तरीण मूल्यांकन - 10

हिन्दी गद्य की विविध विधाएँ

(क) मेरी जीवन-यात्रा (प्रथम खण्ड) के अन्तर्गत

प्रथम खण्ड - दसवाँ अध्याय - प्रथम उड़ान

द्वितीय खण्ड - प्रथम अध्याय - वैराग्य का भूत

तृतीय खण्ड - नवाँ अध्याय - चित्रकूट की छाया में

चतुर्थ खण्ड - द्वितीय अध्याय - बाढ़ पीड़ितों की सेवा

चतुर्थ अध्याय - बक्सर जेल में छः मास

(ख) रेखाचित्र - स्मृति की रेखाएँ : महादेवी वर्मा (भक्तिन, चीनी फेरीवाला, ठकुरी बाबा)

(ग) रिपोर्ताज - ऋणजल - धनजल : रेणु

(घ) निबंध - चिंतामणि भाग-1 : रामचंद्र शुक्ल (क्रोध, काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था)

(ङ) व्यंग्य - वैष्णव की फिसलन : हरिशंकर परसाई

(वैष्णव की फिसलन, अकाल उत्सव, कबीर समारोह क्यों नहीं)

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 2×12=24

2. व्याख्या : 2×8= 16

.....
40

3. आभ्यन्तरीण मूल्यांकन 10

.....
कुल - 50

सेमेस्टर - 4
हिन्दी पत्रकारिता

पत्र : 402

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

हिन्दी पत्रकारिता

- (क) पत्रकारिता : स्वरूप, महत्व, इतिहास।
- (ख) नवजागरणकालीन हिन्दी पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, स्वाधीनता आंदोलन काल की पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता की प्रमुख विशेषताएँ।
- (ग) पीत पत्रकारिता, प्रतिष्ठानी पत्रकारिता, स्वतंत्र पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता।
- (घ) प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया और सोशल मीडिया, समाचार के मूल तत्व, समाचार के प्रमुख स्रोत, लघु पत्रिका।
- (ङ) संपादन कला : अर्थ और महत्व, अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य, प्रेस की आजादी।

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : $2 \times 12 = 24$

2. टिप्पणियाँ : $4 \times 4 = 16$

.....
40

3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन 10

.....
कुल - 50

सेमेस्टर - 4
अनुवाद विज्ञान

पत्र : 403

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यंतरीण मूल्यांकन - 10

अनुवाद विज्ञान

- (क) अनुवाद - परिभाषा और महत्व।
प्रकार : शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, लिप्यंतरण, आशु अनुवाद।
- (ख) अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि - अनुवाद के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा, अर्थान्तरण की प्रक्रिया, अनूदित पाठ का पुनर्गठन।
- (ग) अनुवाद के क्षेत्र और समस्याएँ - कार्यालयी अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद।
अनुवाद के उपकरण : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर।
- (घ) अनुवाद व्यावहारिक - किसी अंग्रेजी सामग्री का हिन्दी अनुवाद एवं किसी हिन्दी सामग्री का अंग्रेजी अनुवाद।

अंक विभाजन :

1. आलोचनात्मक प्रश्न : $2 \times 10 = 20$
2. टिप्पणियाँ : $2 \times 5 = 10$
3. व्यावहारिक अनुवाद : $2 \times 5 = 10$

.....
40

3. आभ्यंतरीण मूल्यांकन : 10

.....
10

.....
कुल - 50

सेमेस्टर - 4

विशेष अध्ययन-पत्र - अ (A)

प्रेमचन्द

पत्र : 404

लिखित - 40

कुल अंक : 50

आभ्यन्तरीण मूल्यांकन - 10

प्रेमचन्द - (अ) A

- (क) उपन्यास - रंगभूमि, ग़बन
(ख) कहानियाँ - ईदगाह, ठाकुर का कुआँ, मुक्तिमार्ग, सद्गति, सवासेर गेहूँ, नमक का दारोगा, दो बैलों की कथा।
(ग) निबंध संग्रह - कुछ विचार
(केवल साहित्य का उद्देश्य निबंध निर्धारित है।)
(घ) नाटक - 'कर्बला'

विशेष अध्ययन-पत्र - आ (B)

निराला

निराला - (आ) B

- (क) रागविराग - निम्नांकित कविताएँ निर्धारित हैं -
जुही की कली, जागो फिर एक बार-2, बादल राग-6, राम की शक्ति पूजा, स्नेह निर्झर बह गया, कुकुरमुत्ता, राजे ने अपनी रखवाली की, जल्द-जल्द पैर बढ़ाओ, तोड़ती पत्थर, भारत-जय-विजय करे।
(ख) उपन्यास - कुल्ली भाट, अप्सरा
(ग) कहानियाँ - देवी, चतुरी चमार, भक्त और भगवान
(घ) निबंध - हिन्दी कविता, साहित्य की प्रगति, हमारे साहित्य का ध्येय।

अंक विभाजन : (प्रेमचन्द एवं निराला - दोनों पत्रों के लिए)

1. आलोचनात्मक प्रश्न : $2 \times 12 = 24$

2. व्याख्या : $2 \times 8 = 16$

40

3. आभ्यन्तरीण मूल्यांकन 10

कुल - 50